वेपिंग के बारे में तथ्य

इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट या ई-सिगरेट, जिन्हें अक्सर 'वेप्स' कहा जाता है, फेफड़ों में वाष्पित तरल डालने के लिए डिज़ाइन किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होते हैं। कई अलग-अलग प्रकार के वेप्स उपलब्ध हैं और इनका दिखाई देना कठिन हो सकता है।

वेप्स में प्रमुख घटक प्रोपिलीन ग्लाइकॉल, वनस्पति ग्लिसरीन या ग्लिसरॉल होता है, और इनमें अक्सर निकोटीन, स्वाद देने वाले पदार्थ और अन्य रसायन भी होते हैं। वेप्स में ऐसे हानिकारक रसायन भी हो सकते हैं, जिन्हें पैक पर सूचीबद्ध न किया गया हो।

वेप्स के बारे में सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि वे सिगरेट की तुलना में हानिमुक्त होते हैं। यह सच नहीं है। ***वेप्स सुरक्षित नहीं हैं।***

क्या आपको पता है वे किस सामग्री की वेपिंग कर रहे हैं?

कई वेप्स में निकोटीन होता है, जिससे वे ***नशे की अत्यधिक लत*** पैदा कर सकते हैं

1 वेप में मौजूद निकोटीन ***= 50 सिगरेट***

वेपिंग करने वाले युवा लोगों के लिए धूम्रपान की आदत पड़ने की संभावना ***3 गुना*** होती है

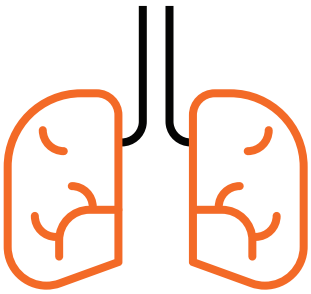

वेपिंग को ***फेफड़ों के गंभीर रोग*** से जोड़ा गया है

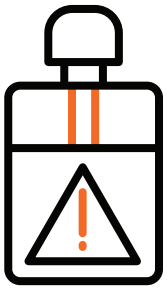

वेप्स में सफाई उत्पादों, नेल पॉलिश रिमूवर, खर-पतवारनाशक और कीट स्प्रे में पाए जाने वाले ***हानिकारक रसायन*** हो सकते हैं

वेप्स अनेक प्रकार के डिज़ाइनों और स्टाइलों में उपलब्ध हैं और इन्हें ***आसानी से छिपाया*** जा सकता है

NSW GOVERNMENT

क्या आपको पता है वे किस सामग्री की वेपिंग कर रहे हैं?
वेबसाइट *health.nsw.gov.au/vaping* पर प्रमाण* और तथ्य प्राप्त करें
*सभी कथन प्रमाणों से समर्थित हैं, जो वेबसाइट पर उपलब्ध हैं